जिला- सरगुजा/कोरिया

बोली- सरगुजिहा

सामग्री-

1. शब्द कोष
2. संवाद पुस्तिका
3. पहेलियां

भाषा / बोली सरगुजिहा, जिला–सरगुजा / कोरिया

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.	अ	अमरूद	बीही
02.		अच्छा	सुघर
03.	आ	आम	आमा
04.		आग	आगी
05.		आलू	आलू
06.		आसमान	अकाश
07.		आना	आबे
08.		आंख	आंएंख
09.		आंवला	अंवरा
10.	इ	इमली	अमली
11.		इंतजार	जोहना
12.		इधर–उधर	इते–उते
13.	उ	उल्लू	खुंसर
14.	ऊं	ऊंचा	ऊंच
15.	ओ	ओंठ	होंठ
16.	अं	अंगूठी	मुंदी
17.	क	क्यारी	डोली / टेपरी
18.		कमल	कमल
19.		कमर	कनिहां
20.		करेला	करेला

भाषा/बोली सरगुजिहा, जिला–सरगुजा/कोरिया

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली/भाषा
01.		कटोरी	खोरिया
02.		कढ़ाई	कराही
03.		कड़वा	करू
04.		कबूतर	परेंवा
05.		काला	करिया
06.		कुल्हाड़ी	टांगी
07.		कुर्ता	कुरता
08.		कुर्सी	कुरसी
09.		कुत्ता	कुकुर
10.		कुम्हड़ा	कोंहड़ा
11.		कूदना	तरकना
12.		केला	केरा
13.		केकड़ा	खेंखरा
14.		केंचुआ	गेंचुआ
15.		कोयल	कोंवर
16.		कौआ	कउवां
17.		कंधा	खांध
18.	ख	खरगोश	खरहा
19.		खटमल	ढेकुना
20.		खलिहान	कोठार

भाषा / बोली सरगुजिहा, जिला–सरगुजा / कोरिया

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		खराब	घिनक
02.		खेत	खेत
03.		खेलना	खेलना
04.	ग	गधा	गधा
05.		गला	ढेंटू
06.		गमछा	साफी
07.		गाना	गीत
08.		गाय	गाय
09.		गिलास	गिलास
10.		गुड़	गुर
11.		गुलाब	गुलाब
12.		गेंदा	गोंदा
13.		गेंहूं	गहूं
14.		गोभी	कोबी
15.		गंदा	मईलाहा
16.	घ	घड़ा	हाँड़ी / गगरी
17.		घोड़ा	घोड़ा
18.	च	चक्की	जन्ता
19.		चम्मच	चम्मच
20.		चना	ओनहारी

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		चलना	रेंगना
02.		चाचा	कका
03.		चाची	काकी
04.		चाबी	चाभी
05.		चींटी	चांटी
06.		चूहा	मूसटा
07.		चूड़ी	चूरी
08.		चोटी	बेनी / चोटइया
09.		चांवल	चाउर
10.	छ	छत	पटेवहाँ
11.		छाता	छाता
12.		छिपकली	घररखवा
13.		छोटा	नान
14.		छाया	छावँ
15.	ज	जड़	जेर
16.		जाना	जाबे
17.		जामुन	जाम
18.		जाल	फांदा
19.		जूता	पनही
20.		जंगल	जंगल

भाषा / बोली सरगुजिहा, जिला–सरगुजा / कोरिया

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.	झ	झगड़ना	झगरा बाझना
02.		झाड़ू	बहरा
03.		झूला	झेलुआ
04.	ट	टमाटर	बिलभंण्टी, पताल
05.		टोकनी	टुकना
06.		टुकड़ा	टुड़का
07.		टोपी	टोपी
08.	ढ	ढक्कन	ढकना
09.	ठ	ठंड	जाड़
10.		ठंडा	जड़हा / ठंडा
11.	त	तरबूज	खरबूजा
12.		ताला	ताला
13.		तितली	फिफली
14.		तीर	तीर
15.		तीखा	झार
16.		तैरना	पउरना
17.		तोता	सुग्गा
18.	थ	थाली	थरिया
19.	द	दरवाजा	दूरा
20.		दर्पण	ऐना

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		दवाई	दवई
02.		दादा	बबा
03.		दादा	बुआ
04.		दातौन	मुखारी
05.		दोपहर	मंझीन
06.		दौड़ना	कूदना
07.		दाँत	दाँत
08.	ध	धनुष	धनहुँ
09.		धनिया	धनिया
10.		धूप	घाम
11.		धोती	धोती
12.	न	नमकीन	नोनछाईन
13.		नहाना	अस्नान
14.		नाक	नाक
15.		नाव	डोंगा
16.		नीम	लीम
17.		नीला	नीला
18.		नींबू	नीमाउ
19.	प	प्याज	पियाज
20.		पपीता	मेवा

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		पहाड़	पहार
02.		पायल	पयनी
03.		पिता	दाऊ
04.		पीला	पिंयर
05.		पीना	पीयई
06.		पीपल	पीपर
07.		पेड़	रूख / फेंड़ / गछ
08.		पेट	ढाढ़
09.		पैंट	पेन्ठ
10.		पैर	गोड़
11.		पंख	पाँयंख
12.		पलंग	खटिया / पलंग
13.	फ	फल्ली	बदाम
14.		फूल	फूल
15.	ब	बत्तख	बदक
16.		बकरी	छेरी
17.		बड़ा	रोंट
18.		बहन	बहिन
19.		बरगद	बर
20.		बनियान	गंजी

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		बरसात	बरिखा
02.		बाला	बाली
03.		बाजार	बजार
04.		बिल्ली	बिलवा
05.		बिच्छू	बिच्छी
06.		बिंदी	टिकली
07.		बेचना	बेचना
08.		बेर	बोईर
09.		बैल	बरदा
10.	भ	भाई	भईया / भाई
11.		भालू	भलुआ
12.		भिंडी	रमकेलिया
13.		भैंस	भंईस
14.	म	मछली	मछरी
15.		मगरमच्छ	मंगर
16.		मक्खी	माछी
17.		मच्छर	भूंसड़ी
18.		माला	माला
19.		मामा	ममा
20.		मामी	मामी

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		मिर्ची	मेरचई
02.		मीठा	गुरूवां
03.		मुर्गी	मुरगी
04.		मुनगा	मुनगा
05.		मूली	मुरई
06.		मेढक	बेंगचा
07.		मेला	मेला
08.		मैना	मैना
09.		मोर	मंजूर
10.	र	रस्सी	डोरा
11.		राह	डगर
12.		रात	रायत
13.		रिबन	फीता
14.		रोना	रोवई
15.	ल	लड़का	लरिका
16.		लड़की	नोनी
17.		लकड़ी	लकरी
18.		लाल	लाल
19.		लालटेन	ललटेन
20.		लोटा	लोटा

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		लौकी	लउवा
02.		लुंगी	लुंगी
03.	स	सफेद	उजर
04.		साफ	सफा
05.		साड़ी	लुगा
06.		सिर	मुड़ी
07.		सियार	सिकटा
08.		सीताफल	छीताफर
09.		सुन्दर	सुघर
10.		सुबह	बिहान
11.		सुअर	बरहा
12.		सूपा	सूपा
13.		सूखा	झूरा
14.		सूरजमुखी	सूरजमुखी
15.		सेमी	सेमी
16.		सेब	सेव
17.		सोना	सुतना
18.	ह	हल	नागर
19.		हल्दी	हरदी
20.		हरा	हरियर

बहुभाषा शब्दकोष

क्र.	वर्ण	शब्द	बोली / भाषा
01.		हाथ	हाथ
02.		हिरण	हरिन
03.		हंसिया	हंसुआ
04.		हंसना	हसना
05.	श	शक्कर	चीनी
06.		शाम	सांझ
07.		शेर	बघवा
08.	गिनकी	एक	एक
09.		दो	दूई
10.		तीन	तीन
11.		चार	चायर
12.		पाँच	पाँच
13.		छै	छव
14.		सात	सात
15.		आठ	आठ
16.		नौ	नौ
17.		दस	दस
18.			
19.			
20.			

भाषा/बोली, जिला–सरगुजा, कोरिया

सामान्य निर्देश

- समय पर स्कूल आया करो।
  जुआर उपर इस्कूल आये करा।
- प्रार्थना के लाइन बनाओ।
  प्रार्थना बर लाइन बनावा।
- बैठ जाओ।
  बइठ जा।
- खड़े हो जाओ।
  ठढ़ोये जावा।
- इधर–उधर मत घुमो।
  इते–उते झेन बुला।
- ध्यान से सुनो।
  बढ़ियां सुना/धियान देके सुना।
- ब्लैक बोर्ड की ओर देखो।
  ब्लैक बोर्ड कति ला देखा।
- कक्षा में कचरा मत करो।
  कक्षा में कचरा झेन करा।
- पुस्तक खोलो।
  पुस्तक ला खोला।
- शिक्षक की आज्ञा का पालन करो।
  गुरूजी कर बात ला माना।
- हल्ला मत करो। कोई कविता/कहानी सुनाओ।
  हल्ला झेन करा। कोई कविता/कहानी सुनावा।
- कल अपने पिताजी को बुलाकर लाना।
  कायल अपन दाऊ ला बलाये के लानिहा।

भाषा / बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

अध्याय–2 स्वच्छता

- सुबह उठकर तुम क्या–क्या करते हो ?
  बिहाने उइठके तें का–का करथस ?
- नहाते है / दांत साफ करते हैं।
  अस्नान करथन / दांत साफ करथन।
- तुम दांत किससे साफ करते हो।
  तें दांत ला काम्हें सफा करथस।
- हम दांत दातुन, ब्रश, मंजन से साफ करते हैं।
  हमन दांत ला मुखारी, ब्रश, मंजन से साफ करथन।
- तुम शौच के लिए कहां जाते हो।
  तें शौच बर कहां जाथस।
- हम शौच के लिए शौचालय जाते हैं।
  हमन शौच बर शौचालय जाथन।
- शौच के बाद किससे हाथ धोना चाहिए।
  शौच कर बाद काम्हें हाथ ला धोएक चाही।
- शौच के बाद राख, साबुन से हाथ धोना चाहिए।
  शौच कर बाद राख, साबुन से हाथ ला धोएक चाही।
- तुम कहाँ नहाते हो।
  तें कहां नहाथस।
- मैं तालाब, कुआं, नदी, घर में नहाता हूं।
  में तलवा, इंदारा, नदी, घरे नहाथों।
- प्रतिदिन कंघी करके स्कूल आया करो।
  रोएज दिन कंघी कइरके स्कूल आबे।
- अपने हाथ दिखाओ किसके नाखून बढ़े हैं।
  अपन हाथ ला देखावा काकर नख हर बाढ़िस आहे।

- आज प्रकाश का ड्रेस बहुत साफ है शाबाश।
  आयज परकाश कर डरेस हर ढेरेच साफ आहे, बढ़िया। ठीक हे।
- ऐसे ही सभी बच्चे साफ ड्रेस पहनकर आया करो।
  एहिच कस सब लरिका मन सफा डरेस पिन्ध के अइहा।
- हमें कैसा पानी पीना चाहिए।
  हमन ला कइसन पानी ला पियेक चाही।
- हमें साफ पानी पीना चाहिए।
  हमन ल सफा पानी पियेक चाही।
- बाल गंदे होने से क्या होता है।
  चूंदी हर मइलाथे त का होथे।
- बाल गंदे होने पर सिर में जूं होती है।
  चूंदी हर मइलाथे त मुड़ में ढीला होथे।
- आंखों की सफाई कैसे करनी चाहिए।
  आंएख कर सफई कइसेक करेक चाही।
- ठंडे पानी के छींटे मारना चाहिए और कीचड़ साफ करना चाहिए।
  ठंडा पानी ला छींटेक चाही अउ चिपरा ला साफ करेक चाही।
- बाजार की खुली चीजें मत खाओ।
  बजार कर उघरा चीज ला झेन खइहो।
- गिलास में अंगूली मत डूबाओ।
  गिलास में अंगठी ला झेन बोरा।

::::00:::

भाषा / बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

अध्याय–4 पालकों से बातचीत

- अभिवादन (राम–राम, नमस्ते)
  जोहार, राम–राम
- आपका नाम क्या है।
  तुंहर नाव का हे।
- आप क्या काम करते हैं ?
  तूं का काम करथा।
- आप शिक्षकों से मिलने शाला आया करो जिससे आपको बच्चे के बारे में जानकारी मिलती है।
  तूं गुरूजी से मिले बर इस्कूल आऐक करा त तुहला लरिका कर बारे में जानकारी मिलही।
- तुम्हारा बच्चा पढ़ने में बहुत होशियार है। उसे प्रतिदिन शाला भेजा करो।
  तोर लरिका पढ़े में ढेरेच हुसियार आहे। ओला रोएज स्कूल भेजे करा।
- घर में रोज बच्चे को सुबह जल्दी उठाकर पढ़ने बिठाया करो।
  घरे रोएज लरिका ल बिहाने हालू उठाई के पढ़े बर बइठाए कर।
- बच्चे को पढ़ाने में कोई पैसा नहीं लगता बल्कि किताब, कॉपी, भोजन, ड्रेस शाला की ओर से मिलता है।
  लइका मन ला पढ़ाये में कांहीच पइसा नी लागे कागज, कॉपी, भात और डरेस स्कूल कति ले मिलथे।
- शाला में पढ़ाई के अलावा बहुत सारी अच्छी अच्छी बातें सिखाई जाती हैं।
  इस्कूल में पढ़ाई कर संघे–संघे बढ़ियां–बढ़ियां बात बताथें और सिखाथें।
- दुकान से छोटे–छोटे सामान बच्चों से मंगाया करो जिससे उसे गणित का ज्ञान होगा।
  दुकान ले छोट–छोट सामान लइका मन जग लनुवाये करा जेमा ओला गणित कर गियान होही।

परिवेश

- तुम्हारे गांव का नाम क्या है ?
  तोर गांव कर का नाव हवे ?
- घर बनाने के लिए किन–किन चीजों की आवश्यकता होती है ?
  घर बनाए बर का–का चीज कर जरूरत पड़थे ?
- ईंट / रेत / पत्थर / मिट्टी।
  ईंटा, बालू, पखना, माटी।
- तुम्हारे घर में कौन–कौन से जानवर हैं ?
  तोर घरे का–का मवेशी आहे ?
- गाय, बकरी, बैल
  गाय, छेरी, बईला।
- जानवर चरने के लिए कहाँ जाते हैं ?
  मवेशी मन चरे बर कहाँ जाथें ?
- जानवर चरने के लिए जंगल, मैदान, में जाते हैं।
  मवेशी चरे बर जंगल, मैदान में जाथें।
- तुम रोज कौन–कौन से पक्षी देखते हो ?
  तें रोज का–का चरई देखथस ?
- तोता, कौआ, चिड़िया।
  सुग्गा, कउवां, चिरई
- पक्षी क्या खाते हैं ?
  चरई मन का खाथें ।
- अनाज कीड़े–मकोड़े खाते हैं।
  अनाज कीरी कीरा खाथें।

भाषा/बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

अध्याय–3 कामकाज

- तुम्हारे पिताजी क्या करते हैं ?
  तोर दाऊ का करेल ?
- शिक्षक, किसान/बढ़ई हैं।
  गुरूजी, किसान/बढ़ई हवें।
- तुम्हारे गांव के लोग क्या–क्या काम करते हैं ?
  तोर गाँवकर आदमी मन का–का कम करथें।
- हमारे गांव के लोग खेती–किसानी करते हैं।
  हमर गांवकर आदमी मन खेती–किसानी करथें।
- खेती के लिए किन–किन चीजों की आवश्यकता होती है ?
  खेती बर का–का चीज कर जरूरत परेल।
- हल, बीज, खाद, मिट्टी की आवश्यकता होती है।
  नांगर, बीहन, खातु, माटी कर जरूरत परेल।
- डॉक्टर सुई क्यों लगाता है ?
  डॉक्टर सुई काबर लगाथे।
- बुखार दूर करने के लिए।
  जर ला हटाये बर।
- सब्जी/अनाज बेचने कहां जाते हैं।
  साग/अनाज बेचे बर कहां जाथें।
- मंडी, शहर जाते हैं।
  बजार/नगरे जाथें।,
- बिजली से चलने वाली कौन–कौन सी चीजें हैं ?
  बिजली से का–का चीज हर चलथे।
- बल्ब, पंखा, कूलर, टी.वी.।
  बलफ, पंखा, कूलर, टी.वी.
- ट्रैक्टर क्या काम आता है।
  टेक्टर का काम आयल।
- सामान लाने, खेत जोतने के लिए।
  सामान लाने बर अउ खेत जोते बर।

भाषा / बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

खेल

लरिका मन, आएज कर मौसम हर ढेरेच सुघर आहे। चला बहरे खेलब। तुमन ला कोन–कोन खेल आथे। लरिका मन ला रोज खेलेक चाही। भात खाये कर बाद तुरतें कुदी–कुदा दार खेल नी खेलेक चाही। खेले ले देह हर बढ़ियां रथे। घाम के जुआरे घरे भीतरे बइठकेर तास, गोटी, सांप सीढ़ी मनला खेलेक चाही। बहीरे मैदान में खो–खो, कबड्डी किरकेट गुल्ली–डंडा मन ला खेलेक चाही। चला आयज हमन कबड्डी खेलब। ए खेल बर 6–6 लरिका दुई लाइन बनायकर मुंहा–मुंही ठढ़ोई जावा। ~~बाकी~~ बाँचल लइका मन मैदान कर बहिरे ठढ़ोई के खेल ला देखा। अउ अपन बाँचल संगता मन बर थपोरी पीटा। लइका हो! अब हमन रोजेच सांझ जुआर खेल खेलबो। तें रोज स्कूल आये कर।

भाषा / बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

मध्यान्ह भोजन

- भोजन क्यों करना चाहिए।
  भात काबर खाएक चाही।
- ताकत के लिए, भूख मिटाने के लिए, बड़े होने के लिए।
  ताकत बर, भूख मिटाए बर, बड़े होए बर।
- बासी भोजन क्यों नहीं करना चाहिए ?
  बासी भात काबर नी करेक चाही।
- बासी भोजन करने से बीमार हो जाते हैं ।
  बसी भात खाए ले बीमार हो जाथें।
- आज तुमने मध्यान्ह भोजन में क्या खाया ?
  आएज तुमन मध्यान्ह भोजन में का खाये।
- दाल, भात, सब्जी, खीर।
  दाएल, भात, साग, खीर
- भोजन के लिए सामान कहां से आता है ?
  भात बर सामान कहां ले आथे।
- बाजार से, बाड़ी से।
  बजार से / बारी ले।
- भोजन के बाद तुम क्या करते हो।
  भात खाये के बाद तें का करथस।
- खेलते हैं, पढ़ते हैं, सोते हैं।
  खेलथन, पढ़थन, सोथन–सुतथन
- हमें भोजन कहां बैठकर करना चाहिए ?
  हमन के भात कामहें बइठके खाएक चाही।
- भोजन साफ जगह चटाई बिछाकर करना चाहिए।
  भात सफा जगहा पटिया डसाए के खाएक चाही।

भाषा / बोली,सरगुजिहा जिला–सरगुजा, कोरिया

अवलोकन

- तुम शाला कैसे आते हो ?
  तें स्कूल कइसेक आथस ?
- शाला आते समय तुम्हें कौन–कौन सी चीजें दिखाई देती है ?
  स्कूल आत घरी तोला का–का चीज दिखथे।
- तुम्हारी शाला के आसपास क्या है ?
  तोर स्कूल कर आसपास का आहे।
- तुम्हारे घर के पास कौन–कौन रहता है ?
  तोर घर जग कोन–कोन रथें ?
- तुम्हारी कक्षा में कितने दरवाजे और खिड़कियां हैं ?
  तोर कक्षा में कतेक, दुरा अउ भेंवारी आहे ?
- शाला परिसर में कौन–कौन से पेड़ है ?
  स्कूल कर चारियों कति का–का रूख आहे ?
- शाला में कितने कमरे हैं ?
  स्कूल में कतेक कोठरी आहे ?
- शालाओं की दीवार पर कौन–कौन से चित्र बने हैं।
  स्कूल कर देवाल में का–का फोटो बनीस आहे।

अध्याय–5 उपस्थिति

- आज कौन–कौन नहीं आया है ?
  आएज कोन–कोन नी अइन हें ?
- श्याम बहुत दिनों से स्कूल क्यों नहीं आ रहा है।
  श्याम ढेरे दिन ले स्कूल काबर नी आवत है।
- सर, वो दिन भर तालाब में मछली पकड़ता रहता है।
  गुरूजी वोहर दिन भेर तलवा में मछरी धरत रथे।
- चलो आज हम उसके घर चलते हैं।
  चला आएज हमन ओकर घर जाई।
- श्याम, तुम बहुत दिनों से स्कूल क्यों नहीं आ रहे हो। क्या तुम्हें शाला अच्छी नहीं लगती? चलो, हमारे साथ शाला चलो। तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा।
  श्याम तें ढेरेच दिनक ले स्कूल काबर नी आवाथस। तोला स्कूल हर सुघर नी लागे। चल, हमर संगे स्कूल चल। तोला कोनों कांही नी कहे।
- श्याम, तुम अपने मित्रों से पूछो कि शाला में गुरूजी क्या–क्या बताये हैं।
  श्याम, तें अपन संगता मन जग पूछ कि इस्कूल में गुरूजी का–का बताईन हें।